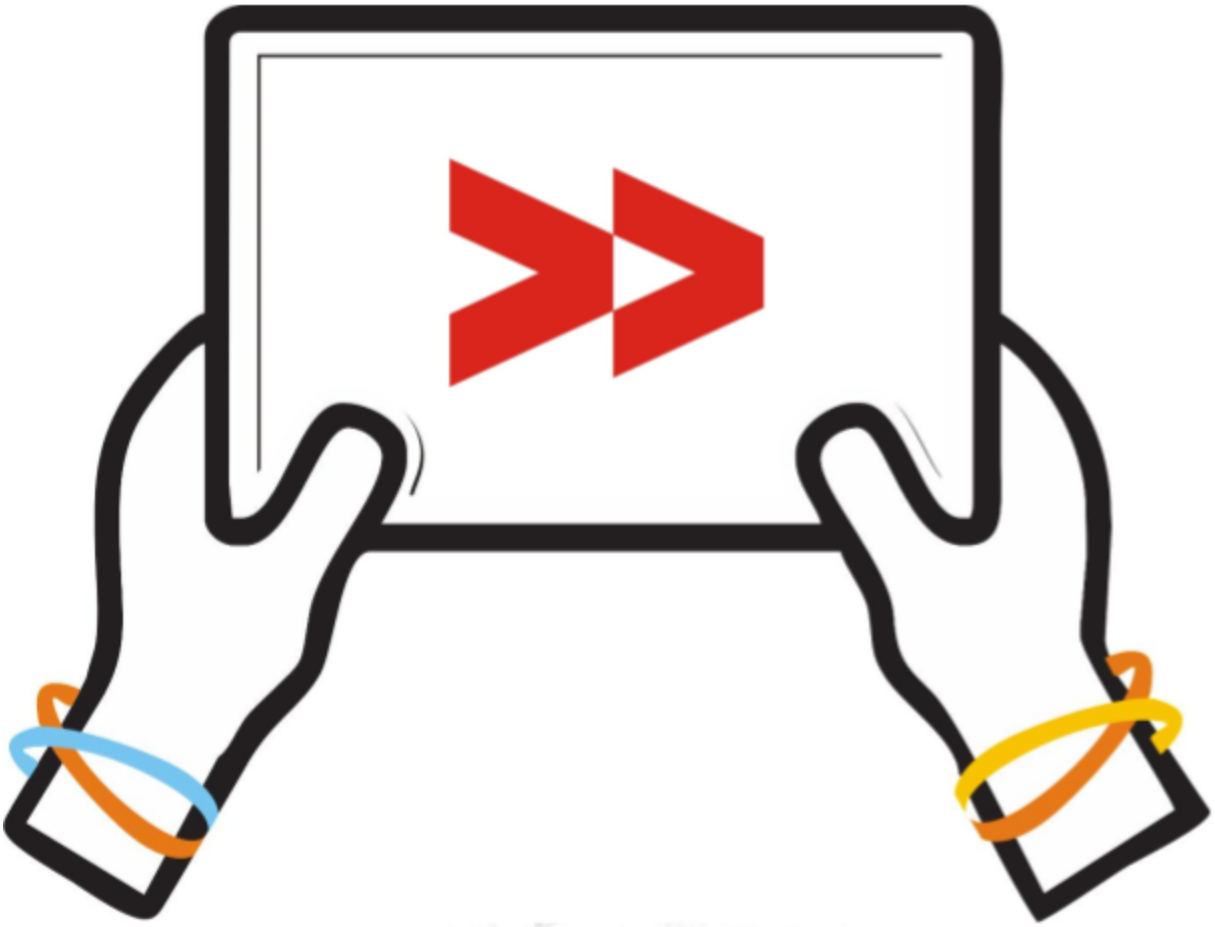

मोजो मार्गदर्शिका

परिचय

वीडियो वॉलंटियर्स (VV) मीडिया और मानवाधिकारों से जुड़ा एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) है| सामाजिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से आवाज उठाने के लिए 2006 में इसकी स्थापना हुई थी| इंडिया अनहर्ड (IU) वीडियो वॉलंटियर्स द्वारा चलाया जाने वाला प्रमुख कम्युनिटी न्यूज नेटवर्क है| IU देश के सर्वाधिक पिछड़े समाजों और इलाकों से आए कम्युनिटी कॉरेस्पॉन्डेंन्ट्स का जाल है| फिलहाल इस नेटवर्क में भारत के 18 राज्यों के 200 कम्युनिटी कॉरेस्पॉन्डेंन्ट्स हैं और 5000 से ज्यादा वीडियो तैयार किये जा चुके हैं| ये कम्युनिटी कॉरेस्पॉन्डेन्ट्स अपने इलाके के मुद्दों पर रिपोर्ट करते हैं साथ ही यह भी कि कैसे उन्होंने इन समस्याओं का समाधान खोजा जाए | ये वीडियो सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हैं साथ ही देखने वाले को प्रेरित करते हैं कि ऐसे सरकारी अधिकारियों के नंबर देकर बदलाव के प्रहरी बनें जो वीडियो में दिखाए गये मुद्दों को हल कर सकें| इंडिया अनहर्ड नेटवर्क प्रभावित समुदायों और संबंधित सरकारी महकमे के बीच संवाद सूत्र की अहम भूमिका निभाता है| यही नहीं इससे एक समुदाय को दूसरे समुदाय की चुनौतियों से सीखने को भी मिलता है|

वीडियो वालंटियर्स के सामुदायिक मीडिया कार्यक्रम में मोबाइल जर्नलिज्म के प्रोयोग को बढ़ावा देने के लिए मोबाइल जर्नलिज्म को ग़ैर सरकारी संगठनों, जन आन्दोलन समूह और विद्यार्थियो के बीच मोबाइल जर्नलिज्म लोकप्रिय बनाने का प्रयास कर रही है .

मोबाइल जर्नलिज्म **मुख्य उद्देश्य -**

1. गैर सरकारी संगठनों, जन आन्दोलन समूह और विद्यार्थियो के बीच सामुदायिक मीडिया कि जानकारी साझा करना
2. जर्नलिज्म के आधारभूत सिद्धन्तो का परिचय देना - सामुदायिक आवाज़ क्यूँ महत्वपूर्ण है?
3. मोबाइल जर्नलिज्म द्वारा संस्थागत पारदर्शिता और जिम्मेदारी कि निगरानी कैसे करे?
4. वीडियो स्क्रीनिंग के द्वारा समुदाय को संगठित कर बदलाव कि रणनीति कैसे बनाए?

आधुनिक तकनिक आधारित पत्रकरिता

सिटिज़न जर्नलिज्म - सामुदायिक मीडिया लोगो का, लोगो के लिए और लोगो द्वरा संचालित मीडिया है. समस्या से सम्बंधित लोगो के द्वारा कि खबरे बनाई जाती है, यानि नागरिक ही रिपोर्टर होता है, किसी दुसरे जगह से रिपोर्टर न आकर जो समस्या से जुड़ा है खूद उसकी रिपोर्टिंग करता है.

मोबाइल जर्नलिज्म - पिछले 10 सालो में दूरसंचार तकनीक के क्षेत्र में होने वाले प्रयोगों ने पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है, स्मार्टफ़ोन और इन्टरनेट के सुगमता ने मोबाइल जर्नलिज्म को काफी

बढ़ावा दिया है.

स्मार्टफ़ोन न केवल बात करने बल्कि फोटोग्राफी, वीडियो फिल्मांकन, फोटो और वीडियो संपादन(एडिटिंग) के साथ साथ इन समाचारों को प्रकाशित करने का पॉकेट यंत्र बन गया है.

मोबाइल जर्नलिज्म का सब से बड़ा फायदा यह है कि पत्रकार आसानी से एक जगह से दुसरे जगह तक आसानी से आवाजाही कर सकते है, बिना किसी बड़े बड़े कैमरा और एडिटिंग सेटअप के साथ आप दूर दराज के समाचार को सोशल मीडिया के सहारे दुनिया के किसी भी कोने में पंहुचा सकते है.

मोबाइल जर्नलिज्म के लिए क्या कौशल चाहिए?

- एंडरोइड फ़ोन का संचालन
- एंडरोइड फ़ोन पर इन्टरनेट संचालन
- न्यूज़ सेंस और कहानी प्रस्तुतीकरण कि कला
- फोटोग्राफी
- वीडियोग्राफी
- फोटो और वीडियो एडिटिंग
- सोशल मीडिया कि जानकारी

मोबाइल जर्नलिज्म के चरण

- १- योजना (स्टोरी एंगल,कहानी के श्रोत कौन, कहा, क्या, कब, कैसे और क्यूँ, संभावित शॉट्स और स्क्रिप्ट)
- २- न्यूज़ गैदरिंग (शोध - कैसे और क्यों , श्रोत को खोजना, अकड़े खोजना और सत्यापित करना)
- ३- शूटिंग, स्क्रिप्टिंग और एडिटिंग - विडियो या फोटो शूट, इंटरव्यू, फोटो के लिए कैप्शन या विडियो के लिए स्क्रिप्ट/पी टू सी/कॉल टू एक्शन, फोटो या विडियो कि एडिटिंग, फाइनल फोटो या वीडियो स्टोरी आउटपुट
- 4- मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित करना - सोशल मीडिया या टी.वी.
- **मोबाइल जर्नलिज्म से किस तरह के मुद्दे उठाया जाए?**
- मोबाइल जर्नलिज्म गैर सरकारी संगठनों और जन-आन्दोलन समूह लिए उपयोगी बन सकता है. समाज में सकारात्मक बदलाव में मोबाइल जर्नलिज्म किस तरह प्रभावी भूमिका अदा कर सकता है, किस तरह के मुद्दे उठाना सबसे प्रभाबी होगा.
- Govt. Grievances विडियो (सरकारी शिकायत) - ऐसे मुद्दे जो सरकारी योजनाओ में विषमता , कानून का उलंघन, पात्रता(entitlement)का हनन हो रहा हो जैसे मुद्दे उठाए जाने चाहिए
- Evidence video (साक्ष्य आधारित वीडियो) - साक्ष्य आधारित वीडियो मोबाइल जर्नलिज्म के सबसे

प्रभावी प्ररूपो में एक है. ऐसे मुद्दे जिन मुद्दा में साक्ष्य का काफी महत्व होता है, जैसे के मेडिकल व्यवस्था में नाज़रंअदाजी, छुआछूत, भ्रष्टाचार, जबरदस्ती निष्कासन, पुलिसिया अत्याचार, दलित अत्याचार (जातिगत हिंसा), डूब प्रभावित, पुनर्वास कि ख़राब स्तिथि, प्राकृतिक आपदा, धरना प्रदर्शन

- Lack of Basic Infrastructure videos (मूलभूत संसाधनों कि कमी पर वीडियो) - मूलभूत संसाधनों कि कमी जैसे कि स्कूल भवन का न होना, सड़क का न होना या ख़राब होना, हस्पतालो कि खराब स्तिथि, पुल कि कमी इत्यादि,

मोबाइल जर्नलिज्म टूलकिट

मोबाइल जर्नलिज्म को मो.जो. के नाम से जाना जाता है. मोबाइल जर्नलिस्ट के पास क्या के उपकरण होना अवश्यक है?

हार्डवेयर

१- फ़ोन या टेबलेट - एंड्रायड का नवीनतम ओ.एस. (ऑपरेटिंग सिस्टम- लोलीपोप या उच्चतम)

- मेमोरी - रैम 1-2 जी.बी, रोम 8-16 जी. बी.
- कैमरा -HD या FHD1080
- इन्टरनेट- वाई-फाई, सिम (3G/4G), डोंगल (OTG)
- डिस्प्ले - 7" या 8"

२- त्रिपद (tripod) क्लैंप के साथ

३- एल ई डी लाईट (वैकल्पिक)

4- माइक्रोफ़ोन-३.5 mm ऑडियो जैक के साथ ((वैकल्पिक)

सॉफ्टवेयर (एप्लीकेशन)

१- वीडियो शूटिंग (Cinema FV-5) और या जो आपके फ़ोन के साथ वाला कैमरा एप्प

2- ऑडियो रिकॉर्डिंग (Easy voice recorder pro)या जो आपके फ़ोन के साथ वाला ऑडियो रिकॉर्डिंग एप्प

3- वीडियो और फोटो एडिटिंग (KINE master or PowerDirector)

4- फेसबुक और व्हाट'स एप्प

5- ड्रॉपबॉक्स

मोजो/एविडेंस वीडियो

1- **मोजो वीडियो**/एविडेंस वीडियो क्या है?

एविडेंस वीडियो सीधे रूप से साक्ष्य या सबूत से जुड़ा होता है, यह सीधे सवाल करता है कि किस तरह के कानून या अधिकारों का हनन हुआ है और से से जुडी साक्ष्य या सबूत क्या है. एविडेंस वीडियो को दो तरह से बनाया जा सकता है. यह एक तरह से पर्दाफास कहनिया होती है.

- फोटोस्टोरी
- वीडियोस्टोरी

2- **मोजो वीडियो**/एविडेंस वीडियो क्यूँ ज़रूरी है?

- हम पर्दाफास करना चाहते है
- सरकारी संस्थागत को ज्यदा पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए
- उनलोगों को कहानी बताने के लिए जो हासिए पर है और मुख्यधारा से अलग-थलग है
- जागरूक दर्शक को उसकने के लिए जिस से बदलाव कि पहल हो सके
- लोगो को उनके अधिकारों और कानून से अवगत करने के लिए
- हम तकनिकी युग में है जहाँ मोबाइल और इन्टरनेट क्रांति आपने चरम पर है?

3- **मोजो वीडियो**/प्रभावकरी एविडेंस वीडियो के मुख्य तत्व क्या है?

एविडेंस वीडियो के तत्व

- **मुद्दा**

  मोजो वीडियो/एविडेंस वीडियो के संभावित मुद्दे

  - मेडिकल व्यवस्था में नाज़रंअदाजी,
  - छुआछूत,
  - भ्रष्टाचार,
  - जबरदस्ती निष्कासन,
  - पुलिसिया अत्याचार,
  - दलित अत्याचार (जातिगत हिंसा),
  - डूब प्रभावित, पुनर्वास कि ख़राब स्तिथि
  - सरकारी योजनाओ में अनियमितता

- **साक्ष्य या सबूत**

क्या क्या साक्ष्य या सबूत हो सकते है?

  - मुद्दे या घटना से जुड़े साक्ष्य का फोटो

- मुद्दे या घटना से जुड़े साक्ष्य का विडियो
- समुदाय का इंटरव्यू
- पीड़ित या पीडिता का बयान
- कागजी दस्तावेज़
-

- **भावनात्मक कहानी**

  कहानी हमें यह बतलाती है कि मैं कौन हु, हमारे लोग कौन है, लोग कौन से परिस्थिति में जी रहे है, क्यूंकि यह सब सामाजिक रूप से जुड़े है, इस लिय ये हमरे दिलो तक पहुचते है.

- **दमदार स्क्रिप्ट (एंकर और वोइस ओवर)**

  मोजो वीडियो/एविडेंस वीडियो में स्क्रिप्ट का काफी महत्वपूर्ण स्थान होता है. दमदार स्क्रिप्ट कहानी को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने में सहायक होती है, स्क्रिप्ट में मूलतः होते है

- वोइस ओवर
- एंकरिंग
- मुजिक

- **सटीक आकडे**

  एविडेंस वीडियो में अकड़े काफी महत्वपूर्ण होते है, मुद्दे से जुड़े आकड़ो कि शोध और उन आकड़ो का वेरिफिकेशन आपके स्टोरी को जायदा प्रमाणिक बनता है

4- मोजो वीडियो/एविडेंस वीडियो कि चुनौती

- सही मुद्दा को उठाना
- मुद्दा को सही ढंग से प्रस्तुत करना
- साक्ष्य आधरित फोटो और वीडियो का मिलना
- प्रभावी रूप से एडिट और प्रस्तुतीकरण ताकि लोगो को भावनात्मक रूप से जोड़ा जा सके

5- मोजो वीडियो/एविडेंस वीडियो कैसे बनाए?

- निश्चित करे आपकी स्टोरी क्या है?
- मुद्दे से जुड़े फोटो, विडियो, इंटरव्यू आवाज़, आकडे और मुजिक इकठ्ठा करना
- स्क्रिप्ट
- एडिट नोट
- रिकॉर्ड वोइस ओवर और एंकर रिकॉर्डिंग
- एडिटिंग - एडिटिंग सॉफ्टवेर

- स्क्रीनिंग या सोशल मीडिया पर प्रकाशित करना

6- मोजो वीडियो/एविडेंस वीडियो का इस्तमाल सामाजिक बदलाव के लिए किस तरह करे ?

अपने समुदाय में दिखाइए

समुदाय में फिल्में दिखाने से उठाए गये मुद्दों पर समुदाय को अपने साथ जोड़ने में और विभिन्न समूहों और हिस्सेदारों के बीच संवाद शुरू करने में मदद मिलती है| फिल्में दिखाने और चर्चा से समुदायों को कार्रवाई करने की प्रेरणा मिलती है|

बदलाव के उत्तरदायी लोगो को राजी कीजिए| चुनौतियों का अनुमान लगाइए| चुनौतियों से निपटने की रणनीति बनाइए

बदलाव का **उत्तरदायी लोग** वह व्यक्ति है जिसके कदम से वह मुद्दा समाधान की राह पर आगे बढ़ा सकता है जिसे आपके वीडियो में उठाया गया है| अमूमन ये होते हैं:

- सरकारी अधिकारी या विभागाध्यक्ष
- एनजीओ मुखिया या कार्यकर्ता
- कार्यकर्ता
- सरपंच या पंचायत सदस्य

आप जिन चुनौतियों की उम्मीद करते हैं उनसे निपटने की रणनीति भी तैयार करनी होगी|
हो सकता है कि जो रणनीति आपने बनाई हो उसमें आगे और चुनौतियां हो| यानी आप को अपनी रणनीति लिखनी होगी औऱ फिर विचार करना होगा कि इस रणनीति के अमल में क्या कोई और चुनौती आएगी| उदाहरण के लिए :

आपकी रणनीति: जिला कलेक्टर को वीडियो दिखाना|

इस रणनीति में चुनौती: जिला कलेक्टर मिलने का वक्त न दे क्योंकि उसके हिसाब से आपसे मिलना जरूरी नहीं है|

इस नयी चुनौती से निपटने की रणनीति: अपना वीडियो किसी मशहूर एनजीओ के मुखिया या सरपंच को दिखाइए और उसे जिला कलेक्टर के पास ले चलने के लिए कहिए|

चुनौती और उससे निपटने की रणनीति की प्रक्रिया तब तक जारी रखिए जब तक आगे बढ़ने का रास्ता साफ न हो जाए|

कॉल टू एक्शन -(CTA)

कॉल टू एक्शन एक ऐसा कथन जो आपके श्रोताओं को समस्या पर कुछ कदम उठाने के लिए मजबूर करता है|आपके साथ उनको मुहीम में जोड़ने के लिए प्रेरित करता है|

- हम चाहतें हैं की श्रोता/समाज/समुदाय के सदस्य अपनी समस्याओं का समाधान खुद ही निकालें
- कोई भी एक्शन लेने के लिए श्रोता/समाज/समुदाय को प्रेरित करें और ऐसा करने के लिए उनको विभिन्न मार्ग सुझाएं
- केवल जागरूकता बढ़ाना काफी नहीं है| लोगों को एक्शन पॉइंट्स की आवश्यकता है| और लोगों को सही एक्शन दिखाना , कॉल टू एक्शन का मुख्य काम है जिससे समस्या का समाधान हो सके|.
- कॉल टू एक्शन में आप क्या बदलाव चाहते है और कौन सा अधिकारी इस बदलाव के लिए उतरदायी है उनका नाम, संपर्क नंबर और पद का नाम देना होता है

पत्रकारिता के मूल मंत्र

पत्रकरिता के मूल मंत्र (5W 1H)

परंपरागत रूप से बताया जाता है कि समाचार या कहानी उस समय ही पूर्ण कहा जा सकता है जब वह कौन, क्या, कब, कहां, क्यों और कैसे सभी प्रश्नों या इनके उत्तर को लेकर लोगों की जिज्ञासा को संतुष्ट करता हो। हिंदी में इन्हें छह ककार (Five W and a H) के नाम से जाना जाता है। अंग्रेजी में इन्हें पांच 'डब्ल्यू', हू, वट, व्हेन, व्हाइ वेह्अर और एक 'एच' हाउ कहा जाता है।

एक समाचार की संरचना को मोटे तौर पर इन भागों में बांट सकते हैं :

- मुद्दे का परिचय (क्या)
- व्याख्यात्मक जानकारियां (कौन, कैसे)
- विवरणात्मक जानकारियां (कब, कहा)
- पृष्ठभूमि (क्यूँ)

शोध - पत्रकरिता में शोध का काफी महत्त्व है, आपका शोध जितना मजबूत होगा आपका वीडियो उतना है बढ़िया होगा. निन्म्न्लखित बातो का शोध करना अवश्यक है

- मुद्दा क्या है?
- मुद्दा से जुड़ा कानून या योजना क्या है?
- किस कानून या योजना का उलंघन हुआ है?
- मुद्दा और कानून या योजना से जुड़े आंकड़े
- मुद्दा से जुड़ा सूचना के श्रोत कि तलाश (source of Infoomation)

- मुद्दा से जुड़े पात्र कि कहानी

फोटोस्टोरी

फोटो स्टोरी के मुख्य तत्व

- फोटोः
- कैप्शनः
- आंकड़ेः
- म्यूजिकः
- वायस ओवरः

फोटोस्टोरी के लिए शोध -

- लोकेशन फोटो के लिए (मुद्दा का,मुद्दे से जुड़े पात्र, मुद्दे से जुड़े सबूत,मुद्दे से जुड़े समुदाय के लोगो का)
- पात्र कि कहानी (मुद्दे से कौन सबसे ज्यादा प्रभावित है उसकी कहानी)
- कानून या योजना क्या है, क्या उलंघन हुआ है.
- मुद्दे से जुड़े आंकड़े.
- कॉल टू एक्शन
- सम्बंधित अधिकारी का नाम और नंबर

वीडियोस्टोरी के मुख्य तत्व

- दृश्य - बी रोल और कट-अवेज़
- इंटरव्यू - पात्र, समुदाय और सम्बंधित सरकारी अधिकार
- आंकड़ेः
- ऑडियो- पी 2 सी और वोइस ओवर
- कॉल टू एक्शन

इन चीज़ों को कैमेरा में क़ैद करेंः- मुद्दा, प्रमाण, प्रभाव, प्रभावित, माहौल, लोकेशन, प्रतिक्रिया।

अगर स्टोरी को और बेहतर करना चाहते हैं तोः

समयः कहानी में 7 से 10 फोटो ही रखें। कहानी एक मिनट से ज्यादा ना हों।
सिगनेचर फोटोः एक फोटो जिसे देखते ही आपकी पूरी स्टोरी समझ में आ जाए।
निर्णायक फोटोः ऐसा फोटो जो आपकी पूरी कहानी को बड़ा संदर्भ दे।

सोचें: आपकी कहानी का पहला फोटो, आपकी कहानी का आखिरी फोटो, आपकी कहानी का शीर्षक।

रिसर्च: मुद्दे और लोकेशन के बारे में पहले से आपको पता होना चाहिए।

प्राथमिकता: हर एक चीज़ का फोटो लेने की ना सोचें। प्राथमिकता तय करें और प्लान करें कि आपको कैसे फोटो लेने हैं।

फोकस: एक कहानी में एक ही मुद्दा रखें।

टिप्स

- पोज़ दिए हुए फोटो से गुरेज़ करें। फोटो को जीवंत बनाएं और गति को पकड़ने की कोशिश करें। तकरीबन गायब रहकर फोटो लें यानि आपकी उपस्थिति बहुत ही सहज होनी चाहिए।
- कैमेरा में भावनाओं को पकड़ने की कोशिश करें।
- सबसे महत्वपूर्ण चीज़ का फोटो लें।
- अलग-अलग एंगल से फोटो लें।
- अनावश्यक चीज़ों को फ्रेम से बाहर रखें।
- रूल ऑफ थर्ड का इस्तेमाल करें।

वीडियोस्टोरी

वीडियोस्टोरी के लिए शोध -

- मुद्दा,लोकेशन और पात्र का दृश्य (मुद्दा का,मुद्दे से जुड़े पात्र, मुद्दे से जुड़े सबूत,मुद्दे से जुड़े समुदाय के लोगो का)
- पात्र कि कहानी (मुद्दे से कौन सबसे ज्यादा प्रभावित है उसकी कहानी)
- कानून या योजना क्या है, क्या उलंघन हुआ है.
- मुद्दे से जुड़े आंकड़े.
- कॉल टू एक्शन - सम्बंधित अधिकारी का नाम और नंबर

वीडियोस्टोरी कि योजना कैसे करे?

- मुद्दे का चुनाव - क्या मुद्दा है और आपके पास क्या सबूत है?
- शोध - सबूत इकठ्ठा करना, किस योजना या कानून से यह मुद्दा जुड़ा है. आकडे इकठ्ठा करना.
- पात्र, समुदाय और सरकारी अधिकारिओ के इंटरव्यू के लिए प्रश्न तैयार करना
- शूट प्लान तैयार करना (हम सब कुछ शूट नहीं करेंगे) विडियो कि अवधि १ से १.5 मिनट तक होगी. इस लिए शूट प्लान बहुत महत्वपूर्ण है .
- जिनका इंटरव्यू कर रहे उनका अनुमति और समय लेना

- स्क्रिप्ट लिखना

इंटरव्यू कैसे करे ?

- आपने इंटरव्यू के उद्देश सुनिश्चित करे?
- प्रश्न तैयार करे
- सटीक सवाल पूछे और संछिप्त जवाब ले
- किस नियम का कानून का उलंघन हुआ है, इंटरव्यू में ज़रूर आना चाहिय

स्क्रिप्ट कैसे लिखे?

स्क्रिप्ट के दो भाग - एंकर या पी 2 सी और वोइस ओवर (कोशिश करे कि आपको पी 2 सी और वोइस ओवर कि ज़रुरत न पड़े. आपके इंटरव्यू और दृश्य से ही वीडियोस्टोरी बन जाए

- एंकर या पी 2 सी - (शुरू) - मुद्दा को एक लाइन में बताना (कौन. कब, कहा और क्या)
- एंकर या पी 2 सी - (अंत) - आपकी मांग और कॉल टू एक्शन.
- वोइस ओवर - आकडे और मुद्दे में किस अधिकार या कानून का उलंघन हुआ है.

6 क के सिद्धांत पर ध्यान दें और इसे फोटो के ज़रिये कैमेरा में क़ैद करने की कोशिश करें।

क्याः मुद्दा के 5 फोटो अलग-अलग एंगल से सिक्वेंस में लें। मुद्दा साफ-साफ दिखना चाहिए.
कबः इसके लिए आप कैप्शन का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
कहांः लोकेशन को स्थापित करें। अलगःअलग एंगल से माहौल शॉट लें। जगह का नाम, साइन बोर्ड आदि का चेहरा शॉट लें।
कौनः मुख्य पात्र। मुख्य पात्र के मनःस्थिति ज़ाहिर करने वाला चेहरा शॉट, समूह में कुछ करते हुए पात्र का फोटो, पात्र की बारीकियों को दिखाने के लिए चेहरा शाट। माहौल में पात्र का फोटो।
कैसेः अगर आप घटना के दौरान मौजूद हैं तो सिक्वेंस में फोटो लें। मुद्दे का प्रभाव पात्र पे कैसे पड़ा हैं, इसको बताते हुए कैप्शन भी लिख सकते है
क्योंः अगर कोई प्रत्यक्ष प्रमाण मतलब दस्तावेज़ आदि है तो फोटो लें अन्यथा टैक्सट का इस्तेमाल करें।

इन चीज़ों को कैमेरा में क़ैद करेंः- मुद्दा, प्रमाण, प्रभाव, प्रभावित, माहौल, लोकेशन, प्रतिक्रिया।

अपने उपकरण को जानें

आपके टेबलेट या फ़ोन में क्या होना चाहिए?

- एंड्रायड का नवीनतम ओ.एस. (ऑपरेटिंग सिस्टम- लोलीपोप या उच्चतम)
- मेमोरी - रैम 1 जी.बी, रोम 8 जी. बी.
- कैमरा -HD या FHD1080
- इन्टरनेट- वाई-फाई, सिम, डोंगल
- डिस्प्ले - 7" या 8"

चार्जिंग

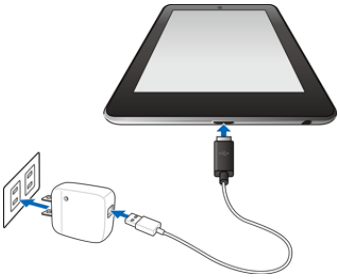

- आप अपने टेबलेट को चार्जर के माध्यम से चार्ज कर सकते है. चार्जर को एक तरफ से बिजली के बोर्ड में लगाएं और दूसरी तरफ से केबल को टेबलेट में लगाएं. इस प्रकार बिजली के माध्यम से चार्ज कर सकते है.
- बिजली के स्विच बोर्ड को ऑन करे.
- टेबलेट या फ़ोन के साथ आने वाले मैन्युअल को पढ़ें.
- टेबलेट या फ़ोन की बैटरी को बचाएं. आप स्क्रीन के चमक (brightness) को कम कर अपने टेबलेट या फ़ोन की बैटरी को बचा सकते हैं. आप सेटिंग में जा कर स्क्रीन की चमक को कम कर सकते हैं.

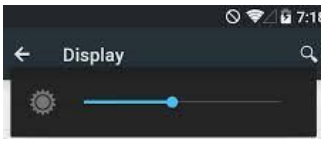

- आप अपने टेबलेट या फ़ोन को पॉवर बैंक से भी चार्ज कर सकते है, यह किसी भी मोबाइल दुकान पर आसानी से उपलब्ध होता है.
- आप अनावश्यक एप्लिकेशन को टेबलेट में इंस्टॉल ना करें. इससे भी आप बैटरी को बचा सकते हैं.
- आप अपने टेबलेट या फ़ोन की बैटरी को किफ़ायत के साथ इस्तेमाल करें.

टेबलेट या फ़ोन से वीडियो किस प्रकार रिकॉर्ड करे?

- टेबलेट या फ़ोन को हमेशा क्षितिज अवस्था में रखे. (Horizontal)
- टेबलेट के स्विच ऑन बटन को दबाएं.
- मेन मेनू में जाएं
- कैमरा आइकॉन को दबाएं.
- कैमरा को वीडियो मोड पर करें.
- कैमरा के सेटिंग में जाए और वीडियो क्वालिटी को HD या FHD चुनें.

- रिकॉर्ड बटन को दबाएं रिकॉर्डिंग शुरू हो जाएगी. रिकॉर्डिंग रोकने के लिए इसी रिकॉर्ड बटन को दोबारा दबाएं.
- टेबलेट या फ़ोन को रिकॉर्डिंग के समय स्थिर रखे जिससे आप स्थिर शॉट ले सकेंगे
- ज़ूम इन/ ज़ूम आउट टिल्ट या पैन शॉट का प्रयोग न करें. बढ़िया फ्रेम बना कर शूटिंग करें.
- मेन मेनू में वापस जाने के लिए बटन दबाएं.

प्ले बैक, डिलीट और टेबलेट या फ़ोन से वीडियो फुटेज कैसे ट्रान्सफर करे

प्ले बैक

- मेन मेनू में जा कर गैलरी सेलेक्ट करें.
- वीडियो को चुने और प्ले बटन को दबाएं, वीडियो को रोकने के लिए बटन को दबाएं.
- मेन मेनू में वापस जाने के लिए बटन दबाय

डिलीट

- वीडियो फाइल को दबा कर रखें जब तक यह सेलेक्ट नहीं हो जाती, ऑप्शन मेनू में जा कर डिलीट को दबाएं और ओके कर दें

ट्रान्सफर

आप अपने वीडियो फाइल को यू.एस.बी केबल या ब्लूटूथ के माध्यम से ट्रान्सफर कर सकते है. आप शेयर इट जैसे फाइल शेयर एप्लिकेशन से भी वीडियो फाइल शेयर कर सकते है.

यू.एस.बी से

- आप अपने फ़ोन या टेबलेट को यू.एस.बी केबल से कंप्यूटर या लैपटॉप से जोड़ें.
- टेबलेट या फ़ोन के मीडिया ट्रान्सफर ऑप्शन को सलेक्ट करें. आप का उपकरण तैयार है. अब टेबलेट को रख दें और कंप्यूटर या लैपटॉप के मध्यम से टेबलेट के उस लोकेशन में जाए जहाँ आप कि वीडियो फाइल है. आप कॉपी-पेस्ट के मध्यम से वांछित लोकेशन में फुटेज ट्रान्सफर कर सकते हैं.

ट्राइपॉड का प्रयोग कैसे करें?

ट्राइपॉड के इस्तेमाल से आप स्थिर शॉट ले सकते हैं.

फोटोस्टोरी फॉर्मेट (उदहारण)

१) सबसे पहले आपने पात्र कि कहानी से शुरू करे

२) मुद्दा क्या और कहा कि है को स्थापित करे

३) योजना या कानून में क्या प्रावधान है और योजना या कानून का क्या उलंघन हुआ है

4)समुदाय ने समस्या दूर करने को क्या प्रयास किया और समस्या दूर क्यूँ नहीं हुआ?

5) दर्शको से अपील और कॉल टू एक्शन

विडियोस्टोरी

१) पात्र का परिचय और समस्या (टेक्स्ट या वोइस ओवर)

२) समस्या का प्रभाव (इंटरव्यू)

३) दुसरे प्रभावित लोगो का इंटरव्यू

4)आकडे (टेक्स्ट)

5) समस्या जुड़े जानकार का इंटरव्यू / सम्बंधित सरकारी अधिकारी का इंटरव्यू

6)समस्या से जुडी अन्य दृश्य जो सबूत या सक्ष्य हो

उदाहरन २-

१) लोकेशन और मुद्दा को स्थापित करे (पी २ सी या वोइस ओवर या टेक्स्ट)

२) पात्र का परिचय और उनकी समस्या का इंटरव्यू (वोइस ओवर या टेक्स्ट)

३) किस योजना या कानून का उलंघन हुआ है, समस्या से जीवन किस तरह प्रभीवित हो रहा है?(वोइस ओवर या टेक्स्ट)

4)लोगो ने समस्या को दूर करने के लिए क्या किया? इंटरव्यू

5) अपील और कॉल तो एक्शन (पी २ सी या वोइस ओवर या टेक्स्ट)

इम्पैक्ट (फोटोस्टोरी)

१) समस्या क्या थी?

२) सामुदिक सवादाता ने क्या किया?

३) क्या बदलाव आया, कितने लोगो का फायदा हुआ?

प्रकाशन (पब्लिकेशन)

सभी सामुदायिक संवाददाताओं का फेसबुक और ईमेल अकाउंट होना चाहिए| अगर मुमकिन हो तो आपको एक डेटा प्लान और एक साधारण स्मार्ट फ़ोन लेना चाहिए ताकि आप अपना वीडियो अपने ही फेसबुक पेज पर शेयर कर सकें. आपको अपना फोटो और विडियो स्टोरी राज्य के फेसबुक पेज पर शेयर करना है,

जितने बेहतर आपके वीडियो होंगे उतना ही उनके देखे जाने की संभावना रहती है. तो अच्छे वीडिओज़ देखें!

फेसबुक

फेसबुक एक सोशल नेटवर्किंग एप्लीकेशन है जो आपके मोबाइल या टेबलेट के मध्यम से संचालित किया जा सकता है, सभी राज्यों के फेसबुक पेज होगा, जिस पर आप आपने स्टोरी आईडिया फोटो या वीडियो स्टोरी के रूप में पब्लिश करेंगे.

फेसबुक कैसे संचालित करे

- सबसे पहले आप अपना ईमेल अकाउंट बनाए
- उसके बाद आप फेसबुक में sign up कीजिए यानि आप अपनी बेसिक जानकारी दे कर आप अपना अकाउंट बना ले
- अकाउंट बनाने के बाद बाद अपने दोस्तों को सर्च ऑप्शन से खोजे और उनको फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजे, और जितने जायदा लोग आपके नेटवर्क में होंगे आपकी स्टोरी उतने लोगो तक पहुचेगी
- आप आपने राज्य के फेसबुक पेज को लाइक करे और राज्य के फेसबुक पेज में जा कर आपना विडियो को शेयर करे.

राज्य फेसबुक पेज क्या है ?

उन सभी राज्यों जहाँ सामुदायिक संवादाता है, राज्य के नाम का फेसबुक पेज .....अन्हर्ड के नाम से होगा. सभी सामुदायिक संवादाताओ को सक्रिय रूप से इस पेज से जुड़ कर आपने राज्य के फेसबुक पेज के नेटवर्क को ज्यादा से ज्यादा लोगो तक पहुचाए.

राज्य फेसबुक कौन संचालित करेगा?

राज्य के स्टेट कोऑर्डिनेटर

गोवा ऑफिस के कम्युनिकेशन टीम के सदस्य

राज्य फेसबुक पर पोस्ट कौन कौन कर सकता है ?

राज्य के सभी सामुदायिक संवादाता

सामुदायिक संवादाता के रूप में मुझे क्या करना चाहिए?

आप अपना वीडियो छोटे सन्देश के साथ राज्य के पेज पर पोस्ट करे, व्हाट'स एप्प के माध्यम से स्टेट कोऑर्डिनेटर को सूचित करे कि आपने अपना वीडियो राज्य के फेसबुक पेज पर शेयर किया है. अगर आप फेसबुक पेज में सक्रिय रूप से काम करेंगे तो भविष्य में पेज के संचालक के तौर पर जुड़ सकते है

वीडियो के आलावा फेसबुक पेज पर और क्या शेयर कर सकते है ?

- वीडियो जिस में आप बदलाव लाना चाहते है.
- फोटो - आपके इलाके के फोटो जो आपके इलाके को बतलाती हो, कहानिया जो आपके समुदाय से जुडी हो.
- Stories from the field, anecdotes, photos
- आप अपने बारे में लिख सकते है, आप कौन है, क्या करते है, आप लोगो से उनके इलाको से के समस्या के बारे में पूछ सकते है. उदाहरन ; मेरा नाम शांति है, मैं.....जिले में सामुदायिक पत्रकार के रूप में काम कर रही हु, पानी, स्वस्थ बिजली जैसे मुद्दे पर काम करती हु. अगर आपके पास कोई कहानी है और उस में मेरी मदद कि ज़रुरत को तो मुझे संपर्क करे.
- इम्पैक्ट वीडियो
- आप जिस संस्था से जुडी हो उनके पोस्ट पर वों वीडियो वालंटियर्स के कार्यक्षेत्र से जुड़ा हो .
- लोकल न्यूज़पेपर के क्लिपिंग जो विकास के जुड़े मुद्दों से हो.

अन्य सुझाव -

आदर्श रूप में एक पोस्ट एक दिन में, पर ३ पोस्ट से ज्यादा नहीं

आपनी भाषा में लिखे (जिस में आप सहज हो)

भाषा को सरल और सटीक रखे

आप अक आप आदमी कि भाषा कि आवाज़ लिखे, एक दोस्त कि तरह न कि किसी एक्सपर्ट (जानकर) कि तरह

आपके पोस्ट कि जानकारी सही होनी चाहिय, आप वीडियो वालंटियर्स को प्रतिनिधित्व करते है

व्हाट'स एप्प

व्हाट'स एप्प एक सोशल नेटवर्किंग एप्लीकेशन है जिसके मध्यम से हम मोबाइल के मध्यम से सन्देश, फोटो, विडियो या ऑडियो फाइल एक दुसरे से शेयर करते है.

विडियो वालंटियर्स इंडिया अन्हर्ड के सभी सामुदिक संवादाताओ को व्हाट'स एप्प पर सक्रिय करने में लगा है.

व्हाट'स एप्प का उपयोग में-

विडियो वालंटियर्स इंडिया अन्हर्ड के सभी सामुदिक संवादाताओ कि भूमिका काफी महत्वपूर्ण है, सामुदिक संवादाता को निश्चित रूप से व्हाट'स एप्प पर सक्रिय रहना है. वी वी इंडिया और राज्यों का ग्रुप बनाया गया है. इस ग्रुप का सार्थक रूप में उपयोग करना काफी महत्वपूर्ण होगा.

सभी सामुदिक संवादाताओ को इस ग्रुप का सदस्य होना अनिवार्य है.

- सामाजिक मुद्दो से जुड़े सूचना को इस ग्रुप में शेयर करे.
- स्टेट कोऑर्डिनेटर के साथ सी सी द्वारा बनाय जाने वाली कहानियो को शेयर करने के लिए
- सरकारी योजनाओ या कानून के सन्दर्भ में जानकारी शेयर करना या जानकारी मांगना
- अति- महत्वपूर्ण कहानिया जिस आप ट्रेनिंग और मेंटरिंग टीम का इनपुट चाहते है
- आपके फील्ड विजिट के के दौरान किया के प्रशिक्षण या स्क्रीनिंग के फोटो शेयर करने के लिए.

व्हाट'स एप्प के अन्य ग्रुप -

वि वि आल इनडिया ग्रुप और स्टेट ग्रुप- इन ग्रुप पर राज्य और देश में हो रही गतिविधो के साथ साथ अति-महत्वपूर्ण कहानिया जिस पैर आप या आप के सीसी काम कर रहे हो, या कोई महत्वपूर्ण बदलाव विडियो के कारण आया हो को शेयर करे.

* व्हाट'स एप्प के सी सी ग्रुप एवं अन्य ग्रुप में व्यक्तिगत सन्देश जैसे कि गुड मोर्निंग, चुटकुले, और पर्सनल फोटो शेयर न करे. व्हाट'स एप्प ग्रुप को सार्थक बनाय रखना हम सुब कि है जिम्मेदारी है.

राज्य के फेसबुक पेज पर अपना वीडियो पोस्ट करना

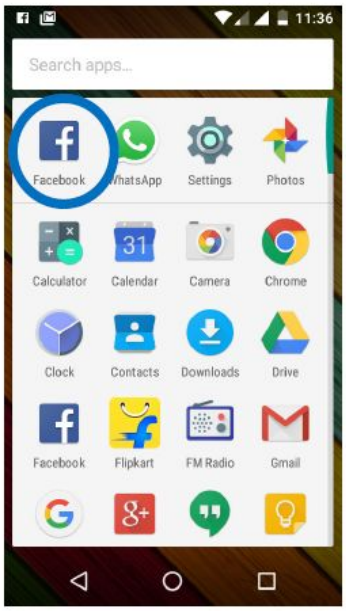

फ़ोन में फेसबुक खोले

आपका अकाउंट खुलेगा

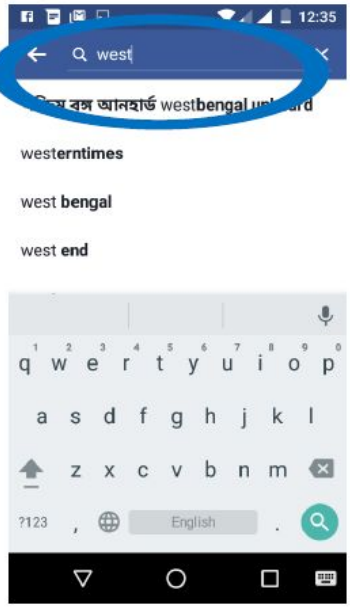

आपने राज्य का फेसबुक नाम सर्च करे

राज्य के फेसबुक पेज पर क्लिक करे

फोटो ऑप्शन पर क्लिक करे सेलेक्ट करे

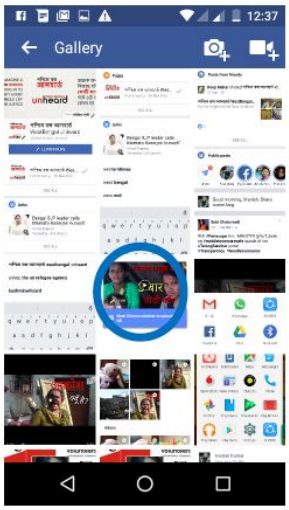

गैलरी में आपने वीडियो आपका वीडियो अपलोड होने लगेगा

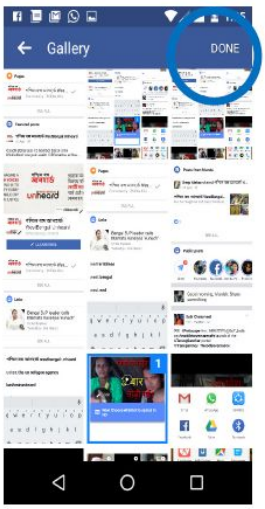

Done पर क्लिक करे,